



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 66]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 6, 2014/फाल्गुन 15, 1935

No. 66]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 6, 2014/PHALGUNA 15, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2014

प्रारम्भिक जांच परिणाम

विषय: चीनी ताइपेई और अमरीका के मूल के या वहां से निर्यातित "फेनोल" के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/17/2012/डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975(जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है—

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स हिंदुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि० (जिसे आगे आवेदक या याचिकाकर्ता कहा गया है) से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीनी ताइपेई और अमरीका (जिन्हें आगे सम्बद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित फेनोल के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ii) आवेदन के प्रारम्भिक जांच से कुछ कमियों का पता चला जिन्हें बाद में आवेदक ने सुधार दिया था। अतः आवेदन को समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया था।

(iii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित सम्बद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।

(iv) जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया।

(v) सम्बद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए प्राधिकारी ने 7 मई, 2013 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

(vi) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग एसोसिएशनों को भेजी और उनसे लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।

(vii) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में सम्बद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों को भी भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी।

(viii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।

(ix) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए सम्बद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं।

मैसर्स डेकोटा गैसीफिकेशन कंपनी 1600 ईस्ट इंटरस्टेट एवेन्यू, पी ओ बाक्स नं. 5540 बिसमार्क एनडी 56506-5540 यू एस ए	मैसर्स डो केमिकल कं0 (979) 238-2011 2301 एन ब्राजोस्पोर्ट बिड फ्रीपोर्ट, टी एक्स 77541 यू एस ए
मैसर्स जॉर्जिया गल्फ पसाडेना 3503, पसाडेना फ्रीवे पी ओ बाक्स नं. 1959 जिप 77501 पसाडेना टेक्सास, यू एस ए	मैसर्स शैल केमिकल्स डीयर पार्क केमिकल प्लांट एंड रिफाइनरी 5900 हाईवे 225 डीयर पार्क टेक्सास यू एस ए
मैसर्स फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, फोरमोसा प्लास्टिक्स ग्रुप 201 तुंग हवा नार्थ रोड ताइपेई (ताइवान रोक.), ताइवान	ताइवान प्रोस्पिरिटी केमिकल कार्पोरेशन, 9 एफ, नं. 113, चुंग शान एन. रोड, सेक्टर 2, चीनी ताइपेई ताइवान
चंग चुन प्लास्टिक कं0 लि0 (सीसीपी) 301 सांगकियांग रोड, सातवां तल, ताइपेई 104, ताइवान	

मैसर्स ताइवान प्रोस्पेरिटी केमिकल कार्पोरेशन (टीपीसीसी) (उत्पादक एवं निर्यातक), मैसर्स कोलमर ग्रुप ए जी, स्विटजरलैंड (निर्यातक) और मैसर्स फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन ("एफसी एफसी") (उत्पादक एवं निर्यातक) ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है।

(x) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में सम्बद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं।

आयातक और उपभोक्ता	आयातक और उपभोक्ता
मै0 सी.जे. एंड कंपनी 105, बजाज भवन, 10वां तल, नारिमन प्लांट, मुंबई-400021	मै0 हरेश कुमार एंड कं0, एक्मी प्लाजा, 505, चौथा तल, एम.वी. वसान्जी मार्ग, विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई 400056
मै0 पी सी एल ऑयल एंड इंडस्ट्रीज एम-105, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001	मै0 कांतिलाल मनीलाल एंड कं0 प्रा0लि0, एपीजे चैम्बर्स, पहला तल, वाल्लेस स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई-400001
मै0 सोनकमल इंटरप्राइजेज, 602, छटा तल, सुनील एन्क्लेव, शहर, परेरिया हिल रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400099	मै0 खेतन ब्रदर्स, सी-17, डालिया इंडस्ट्रीयल एरिया, ऑफ न्यू लिंक रोड, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के सामने, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई-400058
मै0 शुभम डाइज एंड केमिकल्स लि0, 1/26, रूप नगर, दिल्ली-110007	मै0 एकोन इंटरप्राइजेज, प्लाट नं. 218-219/3, जी आई डी सी नरोडा, अहमदाबाद, पिन कोड-382330, गुजरात
मै0 नायकनावरे केमिकल्स लि0, 1, विद्या भवन, 121, केलुस्कर रोड, शिवाजी पार्क, दादर (पश्चिम), मुंबई (महाराष्ट्र)	मै0 पारस डाइज एंड केमिकल्स, 12वां तल, विजय बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1
मै0 टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स लि0, आश्रम रोड, अहमदाबाद रोड 380009, गुजरात	मै0 यूनाइटेड फोस्फोरस लि0, इंडेमनी टैरेस, 167, डा0 अन्ने वसंत रोड, वर्ली, मुंबई-400018
मै0 रायसिन्स एंड प्लास्टिक लि0, कॉस रोड बी, मुंबई-400093	मै0 कैलाश पोलिमर्स 60, कृष्णा मार्केट, कालकाजी, नई दिल्ली
मै0 सेंटम मेटलवक्स प्रा0लि0, डब्ल्यू-228, टीटीसी इंडस्ट्रीयल एरिया, कोपारखाइरने, एमआईडीसी, नवी मुंबई-400703	मै0 वॉडर लेमिनेट्स प्रा0लि0, 14, भाषा, डायमंड हार्बर रोड, कोलकाता
मै0 मेघदेव इंटरप्राइजेज, तीसरा तल, सिरी काम्पलेक्स, श्रीनगर सोसाइटी, सरदार पटेल रोड (स्टेडियम रोड), नवरंगपुरा, अहमदाबाद	मै0 सतगुरफ इंटरनेशनल, 204-डी, पाकेट-12, जसोला विहार, अपोली हास्पिटल के सामने, नई दिल्ली

मै0 हाई पोलिमेयर लैम्ब लि0, 803, विशाल भवन, 95, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली	मै0 रेनबो कलर्स एंड कैमिकल्स 14/ए, भाविक कम्पलेक्स, घोट डोड रोड, सूरत, गुजरात
मैसर्स ब्लिच मार्केटिंग प्रा0लि0, 120, ब्लिच कैमिकल कम्पाउंड, एनआर. चंदोला, अहमदाबाद	मै0 करमेन इंटरनेशनल (प्रा0)लि0, 31ए/20, एनपी, सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, ची, चेन्नई
मै0 कृष्णा एंटीऑक्सीडेंट्स प्रा0लि0, लोपेस मनेर, आई सी कालोनी, चन्द्रा हेडक्वार्टर के नजदीक, मुंबई	मै0 एनजीपी इंडस्ट्रीज लि0, एम-13, पुंज हाउस, नई दिल्ली
फार्मसन फार्मास्यूटिकल गुजरात लि0, पांचवा तल, कामर्स सेंट, सयाजीगुंज, बड़ोदा	मै0 इंडिया ग्लाइकोल्स लि0, सी-124, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली
सिंह प्लास्टीसाइजर्स एंड रेजिन्स (इंडिया) प्रा0, बी-316, तीसरा तल, सोमदत्त चैम्बर-1, भीकाजी कामाप्लेस, नई दिल्ली	मै0 नेशनल प्लाइवुड इंडस्ट्रीज लि0, 5, फैंसी लेन, 700001, कोलकाता
कुन्दन राइस मिल्स लि0, डी-17, सेंचूरी मार्केट, प्रशांत विहार, दिल्ली-110085	

(xi) निम्नालिखित आयातकों और प्रयोक्ताओं ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया है—

- क द इंस्टीच्यूट ऑफ इंडियन फाउंडरी मैन
- ख इंडियन लैमीनेट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन
- ग सेचूरी प्लाइवुड (इंडिया) लि0

(xii) सेचूरी प्लाइवुड (इंडिया) लि0 को छोड़कर किसी भी आयातक/उपभोक्ता ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए अन्य सभी आयातकों को असहयोगी माना गया है।

(xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(xiv) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

(xv) आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सूचना मांगी गई थी।

(xvi) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार, आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत की गणना की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(xvii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए जिन अनुरोधों को प्राधिकारी ने संगत माना है उन पर इस प्रारंभिक जांच परिणाम में विचार किया गया है।

(xviii) यह जांच जनवरी, 2012 से दिसम्बर, 2012 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2009 – मार्च, 2010, अप्रैल, 2010 – 2011, अप्रैल, 2011 से मार्च, 2012 की अवधि और जांच अवधि अर्थात् जनवरी, 2012 से दिसम्बर, 2012 तक की अवधि शामिल थी।

(xix) *** यह चिन्ह इस प्रारंभिक जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

(xx) जांच अवधि के लिए अमरीकी डॉलर के रूप में परिवर्तन की दर सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार 53.85 रुपए मानी गई है।

ख. विचाराधीन उपाय और समान वस्तु**घरेलू उद्योग के विचार**

2. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं:

क) विचाराधीन उत्पाद अमरीका और चीनी ताइपेई के मूल का या वहां से निर्यातित फेनोल है।

ख) फेनोल सामान्यतः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत एक मूल कार्बनिक रसायन है। उत्पाद का विपणन दो रूपों — बल्क तथा डिब्बाबंद रूप में किया जाता है। बल्क बिक्री सामान्यतः खुले रूप में होती है जबकि डिब्बाबंद परेषण अत्यंत कम कंटेनर भारों में किए जा सकते हैं और इन्हें सामान्यतः ड्रमों में पैक किया जाता है। फेनोल का उपयोग फेनोल फामेल्लीहाइड रेजिनो, लेमिनेटों, प्लाइवुड, पार्टिकल बोर्डों, बिस्फेनोल — ए, अल्काइल, फेनोल, भेषज, डाईफिनाइल आक्साइड आदि में किया जाता है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष संख्या 29071110 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

3. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "फेनोल" है। फेनोल सामान्यतः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत एक मूल कार्बनिक रसायन है। उत्पाद का विपणन दो रूपों — बल्क तथा डिब्बाबंद रूप में किया जाता है। बल्क बिक्री सामान्यतः खुले रूप में होती है जबकि डिब्बाबंद परेषण अत्यंत कम कंटेनर भारों में किए जा सकते हैं और इन्हें सामान्यतः ड्रमों में पैक किया जाता है। फेनोल का उपयोग फेनोल फामेल्लीहाइड रेजिनो, लेमिनेटों, प्लाइवुड, पार्टिकल बोर्डों, बिस्फेनोल — ए, अल्काइल, फेनोल, भेषज, डाईफिनाइल आक्साइड आदि में किया जाता है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष संख्या 29071110 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, उक्त सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

5. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में समान वस्तु निम्नानुसार परिभाषित है:—

"ऐसी कोई वस्तु जो भारत में पाटित किए जाने हेतु जांचाधीन वस्तु से हर प्रकार से समनुरूप अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी कोई अन्य वस्तु जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है तथापि उसमें जांचाधीन वस्तुओं से अत्यधिक मिलती जुलती विशेषताएं हैं"।

6. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु भारत में आयात किए जा रहे विचाराधीन उत्पाद के समनुरूप है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि आवेदक के उत्पाद और सम्बद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है और दोनों भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। आवेदक द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देशों से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देशों से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमों के अनुसार सम्बद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान घरेलू वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

8. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है —

"(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"

9. यह आवेदन भारत में सम्बद्ध वस्तु के घरेलू उद्योग के रूप में मैसर्स हिंदुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि0 (एचओसीएल) द्वारा दायर किया गया था। जांच की शुरुआत के समय एकमात्र दूसरे घरेलू उत्पादक मैसर्स एसआई ग्रुप इंडिया लि0 ने याचिका का समर्थन किया था और इसलिए उसे आवेदन का समर्थक माना गया था। तथापि, बाद में मैसर्स एस आई ग्रुप ने जांच से संगत सम्पूर्ण सूचना प्रदान की है। यह नोट किया जाता है कि दोनों घरेलू उत्पादक मिलकर देश में सम्बद्ध वस्तु का समस्त भारतीय उत्पादन करते हैं। यह नोट किया जाता है कि मैसर्स एस आई ग्रुप इंडिया लि0 ने सम्बद्ध देशों से ***मी.ट. सम्बद्ध वस्तु का आयात किया है जिसमें से ***मी.ट. सम्बद्ध वस्तु का आयात शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किया गया है और वह फेनोल से उत्पादित उत्पाद का निर्यात करने के लिए निर्यात

दायित्व के अधीन था। कंपनी ने शुल्क का भुगतान करने के बाद ***मी.ट. का आयात किया था और कंपनी ने यह अनुरोध किया है कि कंपनी द्वारा किए गए आयात प्राथमिक रूप से आबद्ध खपत के लिए हैं। यह नोट किया जाता है कि कंपनी द्वारा किए गए आयात उसके कुल उत्पादन के ***% और देश में कुल आयातों के ***% बनते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किए गए आयात निर्यात प्रयोजन हेतु दूसरे उत्पाद के विनिर्माण हेतु नियत थे और वे देश में खपत के लिए नहीं थी। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि एस आई ग्रुप इंडिया लि० द्वारा किए गए आयात बाजार में उपलब्ध नहीं कराए गए थे तथा आगे यह नोट किया जाता है कि आयातों का प्राथमिक उद्देश्य फेनोल का व्यापार करना नहीं था। जैसा कि इस साक्ष्य से संकेत दिया गया है कि आयातों की निकासी निर्यात प्रयोजन अथवा आबद्ध खपत हेतु शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत की गई थी। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि एस आई ग्रुप द्वारा किए गए आयातों से वह घरेलू उद्योग का भाग बनने के अयोग्य नहीं बन जाता है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि मैसर्स एस आई ग्रुप इंडिया लि० द्वारा किए गए आयातों से वह घरेलू उद्योग का भाग बनने के अयोग्य नहीं बन जाता है।

10. दोनों कंपनियों विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक या निर्यातक से संबंधित नहीं है। अतः यह निर्धारित किया जाता है कि घरेलू उत्पादकों अर्थात् मैसर्स एच ओ सी एल और मैसर्स एस आई ग्रुप द्वारा या उनकी ओर से आवेदन किया गया है और आवेदन पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत "आधार" संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है। इसके अलावा मैसर्स हिंदुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि० तथा एस आई ग्रुप इंडिया लि० एक साथ पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" हैं।

घ. पाटनमार्जिन

घरेलू उद्योग के विचार

11. पाटन के मुद्दे पर घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- सम्बद्ध देशों के घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की कीमत की सूचना/साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादकों की कीमत सूचियां या भाव दरें प्राप्त करने के प्रयास भी किए गए थे। तथापि, याचिकाकर्ता ताइवान के घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की कीमत के बारे में कोई सूचना/साक्ष्य प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुआ है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण परिकलित मूल्य नीति पर विचार करते हुए किया गया है। याचिकाकर्ता ने सम्बद्ध देशों में सामान्य मूल्य का निर्धारण विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया है।
- याचिकाकर्ता ने आई सी आई एस – एल ओ आर में प्रकाशित सम्बद्ध वस्तु की कीमत के आधार पर अमरीका में सामान्य मूल्य के ब्यौरे उपलब्ध कराए थे।
- निर्यात कीमत का निर्धारण विधिवत समायोजन करने के बाद विचाराधीन उत्पाद की भारित औसत आयात कीमत के रूप में किया गया है।
- गणना किया गया पाटनमार्जिन काफी अधिक है।

निर्यातकों के विचार

12. पाटन के मुद्दे पर निर्यातकों के अनुरोध निम्नानुसार हैं :

ताइवान के निर्यातकों ने यह अनुरोध किया है कि उनकी घरेलू बिक्रियां अंतिम प्रयोक्ताओं और वितरकों, दोनों को की जाती हैं और उन्होंने प्राधिकारी द्वारा किए जाने वाले व्यापार समायोजन के स्तर के बारे में पूछा है।

घ.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण

13. 9 क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

- समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
- उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

14. प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना प्रदान करने की सलाह देते हुए उनके पास प्रश्नावलियां भेजीं। तथापि, निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों को छोड़कर सम्बद्ध देशों के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने

प्रश्नावलियों के अपने उत्तर दायर कर इस जांच में सहयोग नहीं किया है। प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित कंपनियों द्वारा दायर किया गया है:

- मै0 ताइवान प्रोस्पेरिटी केमिकल कारपोरेशन, (टीपीसीसी) (उत्पादक एवं निर्यातक)
- मै0 कोलमर ग्रुप ए जी., स्विटजरलैंड (कोलमर), (निर्यातक)
- मै0 फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन ("एफसीएफसी") (उत्पादक एवं निर्यातक)

15. चूंकि उपर्युक्त कंपनियों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है इसलिए इन कंपनियों के संबंध में प्रश्नावली के उनके उत्तर के आधार पर पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है। जहां तक व्यापार समायोजन के स्तर का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि व्यापार समायोजनों के स्तर का दावा करने के लिए निर्यातकों द्वारा कोई तथ्यपरक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, जांच के दौरान इस मुद्दे की आगे और जांच की जाएगी।

16. सम्बद्ध देशों में अन्य उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने करार अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का अंतिम रूप से निर्धारण किया है।

17. तदनुसार प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के बारे में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का अंतिम रूप से निर्धारण निम्नानुसार किया है।

सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी निर्यातकों के लिए अपनाई गई सामान्य कार्य प्रणाली

18. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु की कीमतों में अस्थिरता रही है। अतः प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु समूचे आंकड़ों का माहवार विश्लेषण किया। माहवार आधार पर विश्लेषण करने के लिए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों से आवश्यक आंकड़े मांगे गए थे जो प्रस्तुत कर दिए गए थे और पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण माहवार आधार पर किया गया है।

19. प्राधिकारी ने उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर और नियमानुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। सर्वप्रथम यह देखा गया था कि क्या प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उनके घरेलू बाजारों में सम्बद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री उनकी घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण की अनुमति देने के लिए प्रतिनिधिक और व्यवहार्य है और क्या प्रतिवादियों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच पूरी होती है। अपने उत्तरों में प्रतिवादियों ने अपने घरेलू बाजारों में की गई बिक्री की सौदेवार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में सभी घरेलू बिक्री सौदों की जांच की गई थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई हैं। यह भी देखा गया था कि क्या घाटे वाले सौदों का हिस्सा बिक्री का 20 प्रतिशत से अधिक बनता है अथवा नहीं। क्या लाभ वाले घरेलू बिक्री के सौदे कुल बिक्री के 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए थे, घरेलू बिक्री की भारित औसत कीमत को ध्यान में रखा गया है। तथापि, जहां लाभ वाली बिक्री की मात्रा 80 प्रतिशत से अधिक पाई गई थी वहां लाभ वाली घरेलू बिक्री की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है।

मैसर्स ताइवान प्रोस्पेरिटी केमिकल कारपोरेशन (टीपीसीसी) (उत्पादक एवं निर्यातक)

सामान्य मूल्य

20. मैसर्स ताइवान प्रोस्पेरिटी केमिकल कारपोरेशन ("टीपीसीसी") ताइवान, चीन गणराज्य के कम्पनी कानून के अनुसार स्थापित शेषों द्वारा सीमित एक कम्पनी है। मैसर्स टीपीसीसी ताइवान से सम्बद्ध वस्तु की एक उत्पादक तथा निर्यातक है जिससे जांच अवधि के दौरान घरेलू बिक्री की है और निर्यात भी किए हैं। यह नोट किया जाता है कि मैसर्स टीपीसीसी की एकमात्र फैक्टरी है जो लिन-यूवान जिला, क्योसियोंग में स्थित है जो सम्बद्ध उत्पाद का उत्पादन करती है। टीपीसीसी प्रमुख कच्ची सामग्री के रूप में क्यूमैन के साथ फेनोल का उत्पादन करती है। सम्बद्ध उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त प्रमुख कच्ची सामग्री क्यूमैन है जो मुख्यतः बैन्जीन तथा प्रोपीलीन से उत्पादित की जाती है। सम्बद्ध उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त प्रमुख कच्ची सामग्री क्यूमैन है। यह भी नोट किया जाता है कि अधिकांश क्यूमैन की खपत सम्बद्ध उत्पाद के उत्पादन के लिए की जाती है और इसका उत्पादन टीपीसीसी द्वारा किया जाता है। सम्बद्ध उत्पाद के उत्पादन हेतु अधिकांश क्यूमैन का विनिर्माण इनहाउस किया जाता है, क्यूमैन के एक छोटे भाग की खरीद अन्य देशों से की गई थी।

21. कंपनी द्वारा दायर उत्तर की जांच की गई थी और प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने माहवार लागत निर्धारण के ब्यौरे प्रदान किए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि एसजीए व्यय का दावा किया गया है और उसे कारोबार के आधार पर विभाजित किया गया है। उत्तर की जांच से यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्री पर्याप्तता की जांच पर खरी उतरती है। उत्तर के परिशिष्ट-8ख में उल्लिखित सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को मौके पर सत्यापन के दौरान प्राधिकारी द्वारा किए जाने वाले विस्तृत सत्यापन के लंबित रहने तक अंतिम रूप से स्वीकार किया गया है। उत्पादक और लागत के दावे के अनुसार उनके समायोजनों की अनुमति दी गई है। ऐसे निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना मासिक आधार पर की गई है।

निर्यात की मात्रा

22. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान टीपीसीसी द्वारा बेची गई सम्बद्ध वस्तु की बिक्री तीन तरीकों अर्थात् एक टीपीसीसी की ओर से भारतीय अंतिम प्रयोक्ता को सीधे निर्यात करने का है, दूसरा मैसर्स कोलमर, स्विटजरलैंड के जरिए टीपीसीसी की

ओर से भारत को बेचने का है और तीसरा मितसुई एंड कंपनी, ताइवान के जरिए मैसर्स टीपीसीसी की ओर से भारत को बिक्री करने का है, के जरिए की गई है। परन्तु मितसुई एंड कंपनी, ताइवान ने उत्तर दायर नहीं किया है इसलिए जिस माध्यम से मितसुई एंड कंपनी के जरिए भारत को निर्यात किया गया है, पृथक पाटन मार्जिन प्रदान करने के लिए उस पर विचार नहीं किया गया है। यह भी नोट किया जाता है कि कोलमर, स्विटजरलैंड के जरिए भारत को किए गए निर्यात और भारत को सीधे किए गए निर्यातों में भारत को सम्बद्ध वस्तु के हुए निर्यातों के ***% निर्यात शामिल हैं। आवेदक ने भारत को हुए निर्यातों के बारे में परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। उत्पादक और निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोधों से नोट किए गए अनुसार कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए विभिन्न व्यय हेतु समायोजनों की अनुमति दी गई है। पाटन मार्जिन की गणना निर्यातकों की पृथक श्रृंखला, जो पूर्ण है, को ध्यान में रखते हुए और ऐसे निर्यातकों के जरिए, जिन्होंने भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने की सूचना दी है और जिन्होंने भारत के लिए निर्यात कीमत के बारे में ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, के संबंध में की गई है। भारत को निर्यातों के दोनों माध्यमों के जरिए टीपीसीसी के लिए भारत हेतु माहवार निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है।

मैसर्स फारमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताइवान (एफसीएफसी) (उत्पादक एवं निर्यातक)

सामान्य मूल्य

23. मैसर्स फारमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताइवान (एफसीएफसी) ताइवान, चीन गणराज्य के कम्पनी कानून के अनुसार स्थापित शेषों द्वारा सीमित एक कम्पनी है। यह अनुरोध किया गया है कि पिछले तीन वर्षों में उसकी संरचना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। मैसर्स फारमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताइवान (एफसीएफसी), ताइवान सम्बद्ध वस्तु की ताइवान स्थित उत्पादक/निर्यातक है जिसने जांच अवधि के दौरान घरेलू बिक्री तथा निर्यात किए हैं। जांच अवधि के दौरान एफसीएफसी द्वारा भारत को सम्बद्ध वस्तु की जो बिक्री की गई है वे दो माध्यमों के जरिए की गई है जिनमें से एक भारतीय ग्राहक को एफसीएफसी की सीधे बिक्री और दूसरा मैसर्स कोलमर, स्विटजरलैंड के जरिए भारत को एफसीएफसी की बिक्री है।

24. मैसर्स एफसीएफसी प्रमुख कच्ची सामग्री के रूप में बैन्जीन तथा प्रोपीलीन से फेनोल का उत्पादन करती है। बैन्जीन का आंशिक उत्पादन आबद्ध रूप से एफसीएफसी के अरोमा संयंत्र में किया जाता है और आंशिक भाग का आयात किया जाता है, जबकि प्रोपीलीन की आपूर्ति एफसीएफसी के तेल शोधन संयंत्र द्वारा की जाती है। एफसीएफसी आयातित बैन्जीन का उपयोग करती है। घरेलू बाजार में वितरण के दो माध्यम हैं। यह दावा किया गया है कि घरेलू बाजार में एफसीएफसी अंतिम प्रयोक्ताओं को सीधी बिक्री करती है जो अनुषंगी उत्पादों का उत्पादन करने के लिए सम्बद्ध उत्पाद की खरीद करते हैं। एफसीएफसी व्यापारियों को भी सम्बद्ध उत्पाद की बिक्री करती है जो अपने खुद के व्यापार हेतु ग्राहक आधार का पता लगाते हैं, उनकी जरूरत को पूरा करते हैं और उसे बनाए रखते हैं। घरेलू बाजार में ***% सम्बद्ध वस्तु की बिक्री असंबंधितों को और ***% की बिक्री संबंधित पक्षकारों को की गई है। तथापि, सम्बद्ध और असम्बद्ध, दोनों पक्षकारों के लिए इकाई कीमत मोटे तौर पर समान है।

25. कंपनी द्वारा दायर उत्तर की जांच की गई थी और प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने माहवार लागत निर्धारण के ब्यौरे प्रदान किए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि एसजीए व्यय का दावा किया गया है और उसे कारोबार के आधार पर विभाजित किया गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्री पर्याप्तता की जांच पर खरी उतरती है। उत्तर के परिशिष्ट-8ख में उल्लिखित सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को मौके पर सत्यापन के दौरान प्राधिकारी द्वारा किए जाने वाले विस्तृत सत्यापन के लंबित रहने तक अनंतिम रूप से स्वीकार किया गया है। उत्पादक और लागत के दावे के अनुसार उनके समायोजनों की अनुमति दी गई है। ऐसे निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना मासिक आधार पर की गई है।

निर्यात कीमत

26. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान एफसीएफसी द्वारा भारत को सम्बद्ध वस्तु की जो बिक्री की गई है वह दो माध्यमों के जरिए की गई है जिसमें से एक मैसर्स एफसीएफसी के भारत को सीधे निर्यात है और दूसरा मैसर्स कोलमर, स्विटजरलैंड के जरिए भारत को एफसीएफसी की बिक्री है। आवेदक ने भारत को हुए निर्यातों के बारे में परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। उत्पादक और निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोधों से नोट किए गए अनुसार कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए विभिन्न व्यय हेतु समायोजनों की अनुमति दी गई है। पाटन मार्जिन की गणना निर्यातकों की पृथक श्रृंखला, जो पूर्ण है, को ध्यान में रखते हुए और ऐसे निर्यातकों के जरिए, जिन्होंने भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने की सूचना दी है और जिन्होंने भारत के लिए निर्यात कीमत के बारे में ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, के संबंध में की गई है। भारत को निर्यातों के दोनों माध्यमों के जरिए टीपीसीसी के लिए भारत हेतु माहवार निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। भारत और पाटन मार्जिन की गणना उस मात्रा को ध्यान में रखकर की गई है जिसे एफसीएफसी द्वारा भारत को सीधे निर्यात किया गया है और मैसर्स कोलमर, स्विटजरलैंड के जरिए भी निर्यात किया गया है।

मैसर्स कोलमर ग्रुप ए जी, स्विटजरलैंड (कोलमर)

27. यह नोट किया जाता है कि मैसर्स कोलमर ग्रुप ए जी, स्विटजरलैंड एक निर्यातक/व्यापारी है जिसने जांच अवधि के दौरान भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात किया है जिसे इस जांच में सहयोगी उत्पादक तथा निर्यातक एफसीएफसी और टीपीसीसी से प्राप्त किया गया है। कोलमर ने सम्बद्ध उत्पाद की घरेलू बिक्री नहीं की और उसने सम्बद्ध उत्पाद का केवल निर्यात किया था। मैसर्स कोलमर ने सम्बद्ध वस्तु की प्राप्ति ताइवान के दो उत्पादकों/निर्यातकों, एफसीएफसी तथा टीपीसीसी से की थी। कोलमर द्वारा किए गए कुल निर्यातों में से उसने ***% सम्बद्ध वस्तु की प्राप्ति एफसीएफसी और ***% सम्बद्ध वस्तु की प्राप्ति टीपीसीसी से की है। दोनों

उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् एफसीएफसी एवं टीपीसीसी ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रश्नावली के अपने उत्तर अलग से दायर किए हैं, इसलिए भारत को निर्यातित और एफसीएफसी तथा टीपीसीसी से प्राप्त सम्बद्ध वस्तु के लिए पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन की गणना अलग-अलग की गई है। यह नोट किया जाता है कि कोलमर द्वारा भारत को बेची गई सम्बद्ध वस्तु सी आई एफ आधार पर है। निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में किए गए दावे के अनुसार व्यय अर्थात् समुद्री भाड़े तथा बीमा के लिए समायोजनों की अनंतिम रूप से अनुमति प्रदान की गई है।

चीनी टाईपेई के असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण

28. शेष उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सम्बद्ध वस्तु के बारे में पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना सहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए न्यून प्रतिनिधिक कीमत स्तर पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत के साथ की गई है। शेष उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए इस प्रकार से निकाले गए पाटन मार्जिन तथा पाटन मार्जिन प्रतिशत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

अमरीका

सामान्य मूल्य

29. यह नोट किया जाता है कि अमरीका के किसी भी उत्पादक तथा निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और उनमें से किसी ने भी निर्यातक प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। याचिकाकर्ता ने आईसीआईएस-एलओआर में प्रकाशित सम्बद्ध वस्तु की कीमत के आधार पर अमरीका में सामान्य मूल्य के ब्यौरे उपलब्ध कराए थे। यह नोट किया जाता है कि आईसीआईएस-एलओआर विश्व का एक सबसे बड़ा पेट्रो रसायन सूचना प्रदाता है और यह कीमत सूचना प्रदान करने के 30 वर्ष से अधिक के अनुभव के साथ कीमत आंकड़े, उच्च मूल्य वाली खबरें, विश्लेषण तथा स्वतंत्र परामर्श प्रदान करता है। संबद्ध निर्यातकों से किसी उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(8) के अनुसार अमरीका में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए आईसीआईएस-एलओआर में प्रकाशित सम्बद्ध वस्तु की कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण किया है।

निर्यात कीमत

30. यह नोट किया जाता है कि अमरीका के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस के प्रकाशित आंकड़ों से प्राप्त सूचना पर विचार किया है और अमरीका से भारत में विचाराधीन उत्पाद के सभी आयातों पर विचार करते हुए निर्यात कीमत निर्धारित की है। अमरीका के निर्यातकों से असहयोग को देखते हुए याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों के आधार पर कीमत समायोजन किए गए हैं।

पाटन मार्जिन

31. पाटन मार्जिन की गणना निवल निर्यात कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए प्रतिमाह अनंतिम रूप से निर्धारित सामान्य मूल्य के साथ करने के बाद की गई है। उत्पादक एवं निर्यातक की श्रृंखला हेतु पाटन मार्जिन की गणना उक्त उत्पादक एवं निर्यातक के माध्यम हेतु भारत औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के बाद की गई है।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

32. आंकड़ों के विश्लेषण के बाद पाटन मार्जिन की अनंतिम रूप से गणना की गई है, जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:

देश	उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन (अम.डा. /मी.ट.)	पाटन मार्जिन (%)	भारित औसत पाटन मार्जिन (अम.डा./मी. ट.)	भारित औसत पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन
	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, चाइनीज टाईपेई	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, चाइनीज टाईपेई	***	***	***	***	0-10
	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, चाइनीज टाईपेई	कोलमार ग्रुप ए जी स्विटजरलैंड	***	***			
ताइवान	ताइवान प्रोस्पिरिटी	ताइवान प्रोस्पिरिटी कैमिकल	***	***	***	***	0-10

	कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेइ	कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेइ					
	ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेइ	कोलमार ग्रुप ए जी स्विटजरलैंड	***	***			
	चीनी ताइपेइ के अन्य सभी उत्पादक तथा निर्यातक	चीनी ताइपेइ के अन्य सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	***	10-20
यूएसए	अमरीका के सभी उत्पादक तथा निर्यातक	अमरीका के सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	***	45-55

क्षति**घरेलू उद्योग के विचार**

33. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि:

- आयातों में समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2010-11 और 2011-12 को छोड़कर समूची क्षति अवधि के दौरान आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम रही है।
- यद्यपि विचाराधीन उत्पाद की मांग में समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, तथापि याचिकाकर्ता की बिक्री में वर्ष 2010-11 के बाद गिरावट आई है।
- संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग के उत्पादन में भारी गिरावट आई है। यद्यपि उत्पादन में वर्ष 2010-11 में वृद्धि हुई, तथापि उसके बाद उसमें तेजी से गिरावट आई।
- घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता में कोई वृद्धि न किए जाने और देश में पर्याप्त मांग होने के बावजूद क्षमता उपयोग तथा विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।
- मांग में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में अत्यधिक गिरावट आई है। आयातों का बाजार हिस्सा बढ़ा है जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा घटा है।
- घरेलू उद्योग वर्ष 2011-12 तक लाभ कमाने में समर्थ था, तथापि, आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर इतना अधिक न्यूनकारी प्रभाव पड़ा कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि में भारी वित्तीय घाटा उठाना शुरू कर दिया।
- यद्यपि जांच अवधि में उत्पादन लागत और बिक्री कीमत, दोनों में वृद्धि हुई है तथापि बिक्री लागत में वृद्धि बिक्री कीमत में हुई वृद्धि से काफी अधिक है।
- समूची क्षति अवधि के दौरान आयातों की पहुंच कीमत से घरेलू कीमत में भारी कटौती हो रही है।
- उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन अत्यधिक सीमा तक गिरावट आई है।

प्रयोक्ताओं और आयातकों सहित हितबद्ध पक्षकारों के विचार

34. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- यह अनुरोध किया गया है कि यह जांच एच ओ सी एल द्वारा नियमों का भारी उल्लंघन तथा तथ्यों के गलत प्रस्तुतीकरण करते हुए शुरू की गई है। एच ओ सी एल ने रक्षोपाय एवं पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए अपनी याचिकाओं में मनगढ़ंत सूचना दायर कर भारत सरकार से सुरक्षा की मांग की है क्योंकि सरकार ने मात्रात्मक प्रतिबंध हटा दिए हैं। जब मात्रात्मक प्रतिबंध लागू थे और फेनोल के आयात प्रतिबंधित थे तब भारत सरकार को एचओसीएल के निष्पादन की विस्तृत जांच करनी चाहिए।
- यह अनुरोध किया गया है कि क्षमताएं अपर्याप्त हैं और आयात अनिवार्य है। उत्पाद की 70 प्रतिशत से अधिक मांग को आयातों द्वारा पूरा करना आवश्यक है। एचओसीएल केवल 16 प्रतिशत मांग की पूर्ति कर सकती है और एसआई ग्रुप 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर प्रचालन कर रही है जो एक आबद्ध उपभोक्ता है और फेनोल का आयात भी कर रही है।
- यह अभ्यावेदन दिया गया है कि एसआई ग्रुप ने जांच में भाग नहीं लिया है जिससे इस बात का स्पष्ट पता चलता है और सिद्ध होता है कि इस पर आयातों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। एचओसीएल को हुए घाटे का कारण आयात नहीं हो सकते बल्कि अन्य कारक हो सकते हैं।

- iv. आगे यह दावा किया जाता है कि सभी निर्यातों को पाटित किया गया नहीं जा सकता। यह दावा बढ़ा-चढ़ाकर किया गया है और भ्रामक है।
- v. यह अनुरोध किया गया है कि फेनोल की कीमत का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय रूप से (मांग-पूर्ति आधार पर) किया जाता है। इसके अलावा, भारत सरकार द्वारा लगाया गया कोई प्रतिबंध (पाटनरोधी शुल्क) डब्ल्यू टी ओ करार का खासकर तब उल्लंघन होगा जब याचिकाकर्ता कंपनी केवल 12 प्रतिशत मांग को ही पूरा करती हो।
- vi. यह अनुरोध किया गया है कि एचओसीएल का संयंत्र पुराना है और उत्पादन अकुशलतापूर्ण है। एचओसीएल ने अपनी पुरानी प्रौद्योगिकियों और स्थापित क्षमताओं को कभी भी अद्यतित तथा उन्नत नहीं किया है और यही उसके घाटे की मुख्य वजह है।
- vii. आगे यह अनुरोध किया जाता है कि सार्वजनिक क्षेत्र के संयंत्र में अकुशलताएं हैं। एचओसीएल में कर्मचारियों की संख्या जरूरत से ज्यादा है। इसने अपने फेनोल संयंत्र में 300 व्यक्तियों को किराए पर लगाए हैं जो पूर्ण क्षमता पर प्रचालन करने पर रोजाना लगभग 100 मी.ट. फेनोल का उत्पादन करता है। इस प्रकार एचओसीएल को घाटा उसकी खुदर की अकुशलताओं के कारण हुआ है।
- viii. यह अभ्यावेदन दिया गया है कि लोकहित तथा प्रयोक्ताओं को नुकसान पहुंचाया जाता रहा है। फेनोल का उपयोग प्लाईवुड, पार्टिकल बोर्ड आदि जैसे महत्वपूर्ण अनुषंगी उद्योगों में किया जाता है। फेनोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के किसी प्रयास से इन उद्योगों और परिणामतः नियोजित व्यक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत में 2000 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्यम प्लाईवुड तथा पार्टिकल बोर्ड का विनिर्माण करते हैं।
- ix. यह अभ्यावेदन दिया गया है कि एसीटोन और फेनोल के बीच व्यय के आबंटन की कार्यप्रणाली एक जांच से दूसरी जांच में बदलती रहती है। फेनोल एसीटोन के साथ एक संयुक्त उत्पाद है। प्रत्येक जांच में एचओसीएल ने फेनोल तथा एसीटोन के लिए लागत के आबंटन में अलग कार्यप्रणाली अपनाई है। जांचकर्ताओं द्वारा इसकी विस्तार से जांच किए जाने की जरूरत है।
- x. इंस्टीट्यूट आफ इंडियन फाउंड्रीमैन का अनुरोध है कि आईआईएफ भारत में फाउंड्री उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला राष्ट्रीय स्तर का एक शीर्षस्थ उद्योग निकाय है। फेनोल का उपयोग फाउंड्री उद्योग के लिए सैंड तैयार करने हेतु रेजिन के लिए किया जाता है। यह उद्योग लगभग 2 मिलियन लोगों के लिए रोजगार सृजित करता है। घरेलू उद्योग प्रतिवर्ष लगभग 65,000 मी.ट. फेनोल का उत्पादन करता है जबकि विभिन्न उद्योग खंडों के लिए कुल डी आई की जरूरत लगभग 2,50,000 मी.ट. की है। फेनोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के किसी प्रयास से विनिर्माण उद्योग, खासकर एमएसएमई की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता पर आगे और प्रभाव पड़ेगा और इससे कार्टिंग्स के निर्यातों पर विपरीत असर पड़ेगा और यह राष्ट्रीय हित में नहीं होगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

35. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में "----- पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव सहित समस्त संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सके। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

36. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, एवं (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समय रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

37. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वामाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

38. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध -II के पैरा (iv) के अनुसार प्राधिकारी ने उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभ प्रदत्ता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन जैसे संकेतकों पर विचार किया है, जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं।

संचयी निर्धारण

39. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह निर्धारित करें कि :-

(क) प्रत्येक देश/क्षेत्र से आयातों की तुलना में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है अथवा जहां अलग अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात का हिस्सा समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक बनता है, तथा

(ख) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

40. वर्तमान मामले में,

(क) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है;

(ख) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है;

(ग) आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में संचयी निर्धारण का विरोध करते हुए किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

41. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित समझते हैं।

42. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना का विश्लेषण करने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण किया है।

मांग का निर्धारण

43. प्राधिकारी ने मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री और सभी स्रोतों से भारत में हुए संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा के रूप में किया है। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है :

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
	भारत में मांग					
1	घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	73,430	80,020	67,361	64,712
2	संबद्ध देश	मी.ट.	47,269	61,178	87,423	1,24,268
3	ताइवान	मी.ट.	14,080	14,607	37,166	33,890
4	अमरीका	मी.ट.	33,190	46,571	50,258	90,378
5	ऐसे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	38,932	23,270	33,445	22,489
6	अन्य देश-आयात	मी.ट.	11,880	34,088	20,677	14,087
7	मांग/खपत	मी.ट.	1,71,511	1,98,556	2,08,906	2,25,556

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में समूची क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव**(क) आयात मात्रा और बाजार हिस्सा**

45. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डी जी सी आई एस से प्राप्त आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :

क्र.	आयात - (मात्रा)	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
	संबद्ध देश	मी.ट.	47,269	61,178	87,423	1,24,268
	ताइवान	मी.ट.	14,080	14,607	37,166	33,890
	अमरीका	मी.ट.	33,190	46,571	50,258	90,378
	ऐसे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	38,932	23,270	33,445	22,489

	अन्य देश	मी.ट.	11,880	34,088	20,677	14,087
	कुल आयात	मी.ट.	98,081	1,18,536	1,41,545	1,60,844
ख	आयातों में बाजार हिस्सा					
	संबद्ध देश	%	48.2	51.6	61.8	77.3
	ताइवान	%	14.4	12.3	26.3	21.1
	अमरीका	%	33.8	39.3	35.5	56.2
	ऐसे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	39.7	19.6	23.6	14.0
	अन्य देश	%	12.1	28.8	14.6	8.8
	कुल आयात	%	100.0	100.0	100.0	100.0
	ऐसे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	57.19%	59.70%	67.76%	71.31%
	भारत में खपत की तुलना में आयात	%	134.64%	146.71%	209.70%	254.40%
ग	मांग में बाजार हिस्सा					
	घरेलू उद्योग की बिक्री	%	42.8	40.3	32.2	28.7
	संबद्ध देश	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	ताइवान	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	अमरीका	%	19.4	23.5	24.1	40.1
	ऐसे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	22.7	11.7	16.0	10.0
	अन्य देश-आयात	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	कुल हिस्सा	%	100.0	100.0	100.0	100.0

46. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की मात्रा में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है। जिन देशों पर पहले से संबद्ध शुल्क लागू है, उन देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में इसी अवधि के दौरान गिरावट आई है। इसके अलावा, भारत में कुल आयातों में संबद्ध देशों के हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि अन्य देशों के हिस्से में गिरावट आई है। आगे यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में भारत में खपत और उत्पादन की तुलना में भी वृद्धि हुई है।

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

कीमत कटौती

47. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों के पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की है।

अमरीका

विवरण	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
	% रेंज	20-30	10-20	10-20	5-15

ताइवान

विवरण	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	% रेंज	0-10	0-10	0-10	5-15

संबद्ध देश

विवरण	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	% रेंज	10-20	10-20	5-15	5-15

48. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत में हो रही अत्यधिक कटौती का पता चलता है ।

कम कीमत पर बिक्री

49. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा की गई कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की है, जो निम्नानुसार है :

विवरण	माप की इकाई	अमरीका	ताइवान	संबद्ध देश
क्षति रहित कीमत	***	***	***	***
पहुंच कीमत	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	***	***	***	***
रेंज	%	0-10	0-10	0-10

50. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री की है ।

कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

51. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों का ह्रास या न्यूनीकरण हो रहा है, अथवा क्या ऐसे आयातों के कारण कीमत का अत्यधिक न्यूनीकरण हुआ है अतवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी उच्च स्तर तक वृद्धि हो गई होती । प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमत में हुए परिवर्तनों पर विचार किया है ।

विवरण	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	133	152
बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	140	141
पहुंच कीमत-संबद्ध देश	रु./मी.ट.	52,621	82,317	80,476	83,789
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	156	153	159

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2011-12 तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से अधिक थी । इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की निविष्टि लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है । तथापि, इसी अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों का पहुंच मूल्य उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री कीमत नहीं बढ़ा सका । अतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में अत्यधिक ह्रास हुआ है । तथापि, क्षति अवधि के दौरान कीमत का कोई न्यूनीकरण नहीं हुआ था ।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

53. नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा । घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

54. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है ।

(क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

55. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना नीचे दी गई है :

क्र.सं.	उत्पादन	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
1	क्षमता	मी.ट.	74,200	74,200	74,200	74,200
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
2	उत्पादन	मी.ट.	72,850	80,796	67,500	63,224
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	93	87
3	क्षमता उपयोग	%	98.18%	108.89%	90.97%	85.21%
4	घरेलू बिक्री	मी.ट.	73,430	80,020	67,361	64,712
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	92	88

56. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई है और उसके बाद अत्यधिक गिरावट आई है । आगे यह नोट किया जाता है कि बाजार में भारी मांग के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का संपूर्ण उपयोग करने में समर्थ नहीं रहा है ।

(ख) बाजार हिस्सा

57. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभावों की जांच निम्नानुसार की गई है :-

क्र०सं०	मांग में बाजार हिस्सा	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
1	घरेलू उद्योग की बिक्री	%	42.8	40.3	32.2	28.7
2	संबद्ध देश	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	ताइवान	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	अमरीका	%	19.4	23.5	24.1	40.1
3	ऐसे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	22.7	11.7	16.0	10.0
4	अन्य देश-आयात	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	कुल शेयर	%	100.0	100.0	100.0	100.0

58. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से में समूची क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है जबकि संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

(ग) लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ

59. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की जांच निम्नानुसार की गई है :

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	133	152
बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	140	141
लाभ/हानि	रु./मी.ट.	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	571	233	-16
लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	622	214	-14
ब्याज कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	546	199	8
आरओसीई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	473	204	10
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	574	203	-5

60. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में घरेलू औद्योगिक लाभ में अत्यधिक गिरावट आई है। यद्यपि, वर्ष 2010-11 में लाभ में वृद्धि हुई थी, तथापि इसमें उसके बाद जांच अवधि में घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हो रहा है। जांच अवधि में व्याज पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय की प्रवृत्ति भी लाभ की प्रवृत्ति के समान रही है।

(घ) मालसूची

61. संबद्ध वस्तु की मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं :-

मालसूची	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
अथ स्टॉक	मी.ट.	2,408	1,764	2,520	2,617
इति स्टॉक	मी.ट.	1,764	2,520	2,520	1,126
औसत स्टॉक	मी.ट.	2,086	2,142	2,520	1,871
औसत स्टॉक	सूचीबद्ध	100	103	121	90

62. यह नोट किया जाता है कि औसत स्टॉक में वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई है।

(ङ) रोजगार एवं मजदूरी

63. घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर तथा मजदूरी की स्थिति निम्नानुसार है :-

विवरण	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	100	102
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	300	252	250

64. यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान रोजगार में मामूली वृद्धि हुई है जबकि मजदूरी में क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(च) उत्पादकता

65. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

विवरण	माप की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	93	85
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	93	87

66. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादन और प्रतिदिन उत्पादन के रूप में उत्पादकता में उत्पादन में कमी के अनुरूप गिरावट आई है।

(छ) पाटन की मात्रा

67. पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को जिस सीमा तक क्षति हो सकती है, उस सीमा के एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी ज्यादा है।

(ज) पूंजी जुटाने की क्षमता

68. जहां तक निवेश जुटाने की क्षमता का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद में नए निवेश नहीं किए हैं। इसके अलावा, यद्यपि, मांग घरेलू उद्योग की क्षमता से काफी अधिक है, तथापि, घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग करने में समर्थ नहीं है और उसे घाटा हो रहा है।

(झ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

69. संबद्ध देशों तथा अन्य देशों से आयात की कीमतों, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा पर विचार करने के बाद पाटित आयातों से इतर जिन कारकों से घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं, उनसे यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और उत्पादन लागत से कम है जिससे भारतीय बाजार में कीमत में अत्यधिक कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री हो रही है। आगे यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात अत्यंत उच्च कीमतों पर हो रहे हैं अथवा उन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हो रही है और यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला

एक कारक नहीं हो सकता है। इस प्रकार, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य और कच्ची सामग्री की लागत है।

(ट) वृद्धि

70. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के बाद यह नोट किया जाता है कि मात्रा संबंधी मापदंडों और कीमत मापदंडों, दोनों में वर्ष 2010-11 तक सुधार प्रदर्शित हुआ और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई है। जांच अवधि में घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ है। अतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की समग्र वृद्धि प्रतिकूल रही थी।

वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्ष

71. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रभावों तथा घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव की जांच करने के बाद, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग जैसे अन्य मात्रात्मक मापदंडों की जांच करने के बाद, अनंतिम रूप से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को अत्यधिक मात्रात्मक क्षति हुई है। इसके अलावा, जहां तक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कीमत प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है। इसके अलावा, संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में ह्रास हुआ है क्योंकि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में गिरावट आई है जबकि संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री, बाजार हिस्से, लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय, उत्पादकता एवं मालसूचियों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह में गिरावट काफी अधिक तथा वास्तविक है। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ठ) अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

72. कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास तथा न्यूनीकरण के प्रभावों के संबंध में वास्तविक क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों की जांच करने के बाद प्राधिकारी द्वारा भारतीय नियमों एवं पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

(क) तीसरे देशों से आयात एवं अन्य ज्ञात कारक

73. तीसरे देशों से आयातों की मात्रा नगण्य है अथवा उन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से इतर देशों और पाटनरोधी शुल्क के अधीन देशों से हुए अधिकांश आयातों की कीमत संबद्ध देशों से आयातों की कीमत से अधिक थी।

(ख) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

74. समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध उत्पाद की मांग में लगातार वृद्धि हुई है। मांग में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं है।

(ग) प्रौद्योगिकी विकास

75. प्रौद्योगिकी विकास का कोई आरोप नहीं है और न ही अब तक की जांच से यह पता चलता है कि प्रौद्योगिकी विकास के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

76. ऐसा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

77. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग पूर्णतः घरेलू बाजार में है न कि निर्यात में। अतः इस कारक के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट के परिणामस्वरूप प्रति कर्मचारी और प्रति दिन उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई है। उत्पादन में गिरावट देश में संबद्ध वस्तु के आयातों में हुई वृद्धि के कारण आई है।

कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने वाले कारक

79. अतः यह नोट किया जाता है कि यद्यपि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से यह पता नहीं चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति इन कारकों की वजह से हुई है। तथापि, निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

- क. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप भारत में उत्पाद की मांग में पाटित आयातों का हिस्सा बढ़ा है। परिणामतः घरेलू उद्योग ने अपना बाजार हिस्सा गंवाया है।
- ख. आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही थी। परिणामतः घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतें बढ़ाने में समर्थ नहीं था। अतः आयातों के परिणामस्वरूप जांच अवधि में घरेलू उद्योग की कीमत का न्यूनीकरण हुआ है।
- ग. विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण घरेलू कीमतों में कटौती हो रही थी, जिसके परिणामस्वरूप आयात की मात्रा में वृद्धि हुई। परिणामतः घरेलू उद्योग को जांच अवधि में उत्पाद, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा में गिरावट का सामना करना पड़ा।
- घ. लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई।
- ङ. यथानिर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का स्तर काफी अधिक माना जाता है।

ट. क्षति मार्जिन की मात्रा

घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देशों से आयातों में पहुंच मूल्य के साथ की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :

देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति मार्जिन (अम.डा./मी.ट.)	क्षति मार्जिन (%)	भारित औसत क्षति मार्जिन (अम.डा./मी.ट.)	भारित औसत क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन % रेंज
चीनी ताइपेई	फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कॉर्पोरेशन	कोलमर ग्रुप ए जी स्विटजरलैंड	***	***			
	ताइवान प्रोसपेरिटी कैमिकल कॉर्पोरेशन, चीनी ताइपेई	ताइवान प्रोसपेरिटी कैमिकल कॉर्पोरेशन, चीनी ताइपेई	***	***	***	***	
	ताइवान प्रोसपेरिटी कैमिकल कॉर्पोरेशन, चीनी ताइपेई	कोलमर ग्रुप ए जी स्विटजरलैंड	***	***			0-10
	चीनी ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	चीनी ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	***	***	***	***	15-25
अमरीका	अमरीका के सभी उत्पादक और निर्यातक	अमरीका के सभी उत्पादक और निर्यातक	***	***	***	***	0-10

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

81. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादक के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इस उत्पाद की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण उस राशि तक सीमित रखा जाएगा जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग के निष्पादन में ह्रास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सिफारिशें

82. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अंतिम रूप से निष्कर्ष निकालते हैं कि :

(क) संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद का पाटन हुआ है ।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

(ग) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है ।

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के उपरान्त प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन और क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है । अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित स्वरूप में और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

84. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के अनुसार अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप शीर्ष अथवा टैरिफ मद	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मुद्रा	इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29071110	फेनोल	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कॉर्पोरेशन	फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कॉर्पोरेशन	79.63	अम.डा.	मी.ट.
2	29071110	फेनोल	चीनी ताइपेई	स्विटजरलैंड	फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कॉर्पोरेशन	कोलमर ग्रुप एजी	79.63	अम.डा.	मी.ट.
3	29071110	फेनोल	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कॉर्पोरेशन	ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कॉर्पोरेशन	46.07	अम.डा.	मी.ट.
4	29071110	फेनोल	चीनी ताइपेई	स्विटजरलैंड	ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कॉर्पोरेशन	कोलमर ग्रुप एजी	46.07	अम.डा.	मी.ट.
5	29071110	फेनोल	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	क्र. सं. 1 व 4 से इतर अन्य कोई संयोजन		193.9	अम.डा.	मी.ट.

6	290711110	फेनोल	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई और ऐसे देशों से इतर कोई देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	कोई	कोई	193.9	अम.डा.	मी.ट.
7	290711110	फेनोल	चीनी ताइपेई और ऐसे देशों से इतर कोई देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	193.9	अम.डा.	मी.ट.
8	290711110	फेनोल	अमरीका	अमरीका	कोई	कोई	146.09	अम.डा.	मी.ट.
9	290711110	फेनोल	अमरीका	चीनी ताइपेई और ऐसे देशों से इतर कोई देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	कोई	कोई	146.09	अम.डा.	मी.ट.
10	290711110	फेनोल	चीनी ताइपेई और ऐसे देशों से इतर कोई देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	अमरीका	कोई	कोई	146.09	अम.डा.	मी.ट.

आगे की प्रक्रिया:

85. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

- क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अनंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा ;
- ख) निर्यातक, आयातक, आवेदक और संबंधित समझे गए अन्य हितबद्ध पक्षकार सरकारी राजपत्र में इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं । प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करेंगे ।
- ग) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन किया जाएगा;
- घ) अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के अनुसार अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करेंगे ।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING & ALLIED DUTIES****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th March, 2014

PRELIMINARY FINDINGS**Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of “Phenol” originating in or exported from Chinese Taipei and USA- Preliminary findings**

No.14/17/2012-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Hindustan Organic Chemicals Limited (hereinafter referred to as the Applicant or petitioner) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Phenol originating in or exported from Chinese Taipei and USA (hereinafter also referred to as subject countries).
- (ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- (iii) The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5 (5) of the AD Rules.
- (iv) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject countries.
- (v) The Authority issued a public notice dated 7th May, 2013 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- (vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
- (vii) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
- (viii) The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- (ix) The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules :

M/s. Deckota Gasification Company 1600 East Interstate Avenue, PO Box No. 5540 Bismarck Nd 58506-5540 USA.	M/s. Dow Chemical Co. (979) 238-2011 2301 N Brazosport Blvd Freeport, Tx 77541 USA.
M/s. Georgia Gulf Pasadena 3503, Pasadena Freeway PO Box No. 1959 Zip 77501 Pasadena Texas, USA	M/s. Shell Chemicals Deer Park Chemical Plant & Refinery 5900 Highway 225 Deer Park Texas USA

M/s. Formosa Chemicals & Fibre Corporation Formosa Plastics Group 201 Tung Hwa North Road Taipei (Taiwan Roc.), Taiwan	Taiwan Prosperity Chemical Corporation 9F, No113, Chung Shan N. Road., Sec. 2, Chinese Taipei, Taiwan
Chang Chun Plastics Co. Ltd (CCP) 301 Songkiang Road, 7th Floor, Taipei 104, Taiwan	

M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation, (TPCC) (Producer & Exporter), M/s Kolmar Group AG., Switzerland., (Exporter) and M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation ("FCFC")(Producer & Exporter) have filed questionnaire responses.

- (x) Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules :

Importers and Consumers	Importers and Consumers
M/s. C.J. Shah and Company 105, Bajaj Bhawan 10 th Floor, Nariman Point, Mumbai- 400021.	M/s Hareesh Kumar & Co. Acme Plaza 405, 4th floor M. Vasanji Marg, Vile Parle (W), Mumbai 400 056
M/s. PCL Oil & Industries M-105, Connaught Place New Delhi-110001	M/s Kantilal Manilal & Co. Pvt. Ltd. Apeejay Chambers, 1st floor, Wallace Street, Fort, Mumbai 400 001
M/s Sonkamal Enterprises 602, 6th floor, Sunil Enclave, Sahar, Pareira Hill Road, Andheri (E), Mumbai 400 099	M/s. Khetan Brothers C-17, Dalia Industrial Area Off New Link Road, Opposite Laxmi Industrial Estate Andheri (West) Mumbai-400 058
M/s. Shubham Dyes & Chemicals Limited 1/26, Roop Nagar, Delhi-110 007	M/s Acron Enterprises Plot No. 218-219/3, G.I.D.C, Naroda, Ahmedabad Pin Code- 382330, Gujarat.
M/s. Naiknavare Chemicals Limited 1, Vidya Bhavan, 121, Keluskar Road Shivaji Park, Dadar (West) Mumbai (Maharashtra).	M/s. Paras Dyes & Chemicals 12th Floor, Vijaya Building 17 Barakhamba Road, New Delhi-1
M/s. Torrent Pharmaceuticals Limited, Ashram Road, Ahmedabad Road 380009, Gujarat	M/s. United Phosphorus Ltd. Eadymoney Terrace, 167, Dr. Annie Basant Road Worli, Mumbai-400 018
M/s. Resins & Plastic Ltd. Cross Rd. B, Mumbai-400093	M/s. Kailash Polymers 60, Krishna Market, Kalkaji, New Delhi.
M/s Centrum Metalics Pvt. Ltd. W-228, TTC Industrial Area, Koparkhairne, MIDC Navi Mumbai 400 703	M/s. Wonder Laminates Pvt. Ltd. 14, Bhasa, Diamond Harbor Road, Kolkata
M/s. Meghdev Enterprises 3rd floor, Shree Complex Srinagar Society, Sardar Patel Rd. (Stadium Road) Navrangpura, Ahmadabad	M/s. Satguru International 204-D, Pocket-12, Jasola Vihar, Opp. Appolo Hospital, New Delhi
M/s. High Polymer Labs Ltd. 803, Vishal Bhavan, 95, Nehru Place, New Delhi	M/s. Rainbow colours & Chemicals 14/A, Bhavik Complex Ghod Dod Rd., Surat, Gujrat
M/s. M/s. Bleach Marketing Pvt. Ltd.	M/s. Karmen International (P) Ltd.

120, Bleach Chem Compound, Nr. Chandola, Ahmedabad	31A/20, NP, Sidco Industrial Estate, Che, Chennai
M/s. Krishna Antioxidants Pvt. Ltd. Lopes Maner, I C Colony, Near Chandra Ho, Mumbai	M/s. NGP Industries Ltd. M-13, Punj House, New Delhi
Farmson Pharmaceutical Gujarat Ltd. 5th Floor, Commerce Centre, Sayajigunj, Baroda	M/s. India Glycols Ltd. C-124, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi
Singh Plasticisers and Resins (I) Pvt. B-316, 3rd Floor, Somdutt Chamber-1 Bhika, New Delhi	M/s. National Plywood Industries Ltd. 5, Fancy Lane, 700 001, Kolkata
Kundan Rice Mills Ltd. D-17, Century Market, Parshant Vihar, Delhi-110085	

- (xi) The following importers and users have responded to the initiation notification.
- The Institute of Indian Foundryman
 - Indian Laminate Manufacturers' Association
 - Century Plywood (I) Ltd.
- (xii) None of the importers/consumers except M/s Century Plywood (I) Ltd has filed response to the importers questionnaire. In view of the above, all other importers have been treated as non cooperative.
- (xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- (xiv) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xv) Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
- (xvi) The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and on the basis of principles laid down under Annexure III of the Anti dumping rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;
- (xvii) The submissions made by the interested parties considered relevant by the Authority have been addressed in this preliminary finding
- (xviii) Investigation was carried out for the period starting from January 2012 to December 2012 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from April 2009-March 2010, April 2010-March 2011, April 2011 to March 2012 and the Period of Investigation (POI) i.e January 2012 to December, 2012.
- (xix) *** in this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules
- (xx) Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as Rs.53.85 as per customs data.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

Views of the Domestic industry

- The views of the domestic industry are as follows:

- a.) The product under consideration is Phenol originating in or exported from USA and Chinese Taipei.
- b.) Phenol is a basic organic chemical normally classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The product is marketed in two forms – bulk and packed. Bulk sales are normally in loose form, whereas packed consignments can be of much smaller container loads and generally packed in drums. Phenol is used in Phenol Formaldehyde Resins, Laminates, Plywood, Particle Boards, Bisphenol-A, Alkyl Phenols, Pharmaceuticals, Diphenyl Oxide etc. This product is classified under Customs Tariff heading no. 29071110

Views of the other interested parties

3. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties, has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, and like articles.

Examination by the Authority

4. The product under consideration in the present investigation is “Phenol”. Phenol is a basic organic chemical normally classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The product is marketed in two forms – bulk and packed. Bulk sales are normally in loose form, whereas packed consignments can be of much smaller container loads and generally packed in drums. Phenol is used in Phenol Formaldehyde Resins, Laminates, Plywood, Particle Boards, Bisphenol-A, Alkyl Phenols, Pharmaceuticals, Diphenyl Oxide etc. This product is classified under Customs Tariff heading no. 29071110. However, the said Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
5. Rule 2(d) of the AD Rules defines like article as follows:

“an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has the characteristics closely resembling those of the articles under investigation”.
6. The domestic industry has claimed that the subject goods produced by the domestic industry are identical to the product under consideration being imported into India. The domestic industry has claimed that there is no known difference in applicant’s product and product under consideration exported from the subject countries and the two are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject countries and both are technically and commercially substitutable.
7. The Authority notes that there is no known difference in subject goods produced by the domestic industry and exported from subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. In view of the same, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as domestic like article to the product under consideration imported from the subject countries in accordance with the anti-dumping Rules.

C. Scope of Domestic Industry And Standing

8. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

9. The application was filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Limited (HOCL) as the domestic industry of the subject goods in India. The only other domestic producer, M/s SI Group India Ltd,

supported the application at the time of initiation and was therefore considered as a supporter of the application. However, M/s SI group has subsequently given complete information relevant to the investigation. It is noted that both the domestic producers together account for total Indian production of subject goods in the country. It is noted M/s SI Group India Ltd has imported *** MT of subject goods from subject countries out of which, *** MT of subject goods have been imported under duty exemption scheme and was under export obligation to export product produced from the Phenol. The company had imported *** MT after paying duty and the company has submitted that imports made by the company are primarily for the captive consumption. It is noted that imports made by the company constitutes ***% of its total production and ***% of the total imports into the country. The Authority notes that imports under duty exemption scheme was meant to manufacture other product for export purpose and were not intended for consumption in the country. In view of the above, the Authority notes that imports made by SI Group-India Ltd. were not made available in the market and it is further noted that the primary purpose of imports was not to trade in Phenol that has been indicated from the evidence that imports were cleared either under duty exemption scheme meant for export purpose or for captive consumption. Therefore, the Authority holds that the imports made by SI Group did not disqualify it from being part of the domestic industry. Therefore, the Authority holds that imports made by M/s SI Group India Ltd. do not disqualify it from being part of domestic industry.

10. Both the companies are not related to any importer or exporter of the product under consideration. It is thus determined that the application has been made by or on behalf of the domestic producers i.e M/s HOCL and M/s SI group and the application satisfies the requirements of 'standing' under Rule 5 of the AD Rules. Further, the M/s Hindustan Organic Chemicals Limited and SI Group India Ltd together constitute 'Domestic Industry' in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

D. Dumping Margin

Views of the Domestic industry

11. Following are submissions of domestic industry on the issue of dumping

- i. Efforts were made to get information/evidence of price of subject goods in the domestic market of the subject countries. Efforts were also been made to get price lists or quotations of producers of subject goods in Subject countries. However, the petitioner has not been able to get any information/evidence of price of subject goods in the domestic market of Taiwan. Therefore, normal value has been determined considering constructed value approach. Petitioner has determined normal value in subject countries on the basis of cost of production in India, duly adjusted.
- ii. Petitioner had provided details of normal value in USA on the basis of price of subject goods as published in ICIS-LOR.
- iii. Export price has been determined as weighted average import price of the product under consideration after making due adjustments.
- iv. Dumping Margin calculated is substantial.

Views of the Exporters

12. Following are submissions of Exporters on the issue of dumping

The exporters from Taiwan have submitted that their domestic sales are made to both end users and distributors and they have asked level of trade adjustment to be carried out by the Authority.

D.1 Determination of Normal Value

13. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

14. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring below mentioned producers and exporters, none of the producer/exporter from subject countries have co-operated in this investigation by filing their Questionnaires' responses. The questionnaire response has been filed by the following companies:

- M/s. Taiwan Prosperity Chemical Corporation, (TPCC) (Producer & Exporter)
- M/s. Kolmar Group AG., Switzerland (Kolmar), (Exporter)
- M/s. Formosa Chemicals & Fibre Corporation ("FCFC")(Producer & Exporter)

15. Since the above mentioned companies have filed questionnaire response, dumping margin has been determined in respect of these companies on the basis of their questionnaire response. With regard to level of trade adjustment, it is noted that no substantive evidence has been placed by the exporters for claiming level of trade adjustments. However, the issue would be examined further during the course of investigations.

16. In the absence of cooperation from the other producers/exporters in subject countries, the Authority has determines normal value, provisionally, on the basis of facts available in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.

17. Accordingly, the Authority has provisionally determined normal value, export price and dumping margin in respect of producers/exporters of the subject countries as follows.

General methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Value

18. It has been contended by the Domestic Industry that there had been volatility of the prices of the subject goods during the Period of Investigation. The Authority has, therefore, done a month-wise analysis of the entire data for the determination of dumping margin and injury margin. Necessary data from the cooperating producers/exporters was called for undertaking the analysis on a month-wise basis which was submitted, and Dumping Margin and injury margin has been assessed on monthly basis.

19. The Authority has assessed the Normal Value based on the information submitted by the producers and exporters and in accordance with the Rules. It was first seen as to whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters/producers in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal Values on the basis of their domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made in their home markets.. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not. Wherever the profitable domestic sales transactions were found to be accounting for more than 80% of the total sales, the weighted average price of the domestic sales have been taken into consideration. However, wherever the profitable sales volume were found to be less than 80%, the weighted average price of the profitable domestic sales has been taken into consideration.

M/s. Taiwan Prosperity Chemical Corporation, (TPCC) (Producer & Exporter)**Normal value**

20. M/s. Taiwan Prosperity Chemical Corporation ("TPCC") is a company limited by shares established in accordance with the Company Law of Taiwan, Republic of China. M/s TPCC is a producer and exporter of subject goods from Taiwan, who has made domestic sales, as well as exports to India during POI. It is noted that M/s. TPCC only has one factory which is located in Lin-Yuan District, Kaohsiung, which is involved in production of the product concerned. TPCC produces Phenol with Cumene as the primary raw material. The primary raw material used in the manufacturing of the product concerned is Cumene, which is mostly produced with Benzene and Propylene. Cumene is the primary raw material used to manufacture the product concerned. It is also noted that most of the Cumene consumed for production of the product concerned are produced by TPCC. Most of the Cumene for producing the product concerned are manufactured in-house, only a minor part of Cumene was purchased from other countries.
21. The response filed by the company was examined and it is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing. It is also noted that the SGA expenses have been claimed and apportioned on the basis of turnover. It is noted from examination of the response that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted provisionally pending detailed verification to be conducted by the Authority during onsite verification. Adjustments thereof have been allowed as claimed by the producer and exporter. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

Export Price

22. It is noted that the subject goods sold to India during POI by TPCC is sold through three ways i.e. one is direct exports from TPCC to Indian end-user, second is from TPCC to India through M/s. Kolmar, Switzerland and third is from M/s. TPCC to India through Mitsui & Co., Taiwan. But as Mitsui & Co., Taiwan has not filed responses, hence the channel which has been exported to India through Mitsui & Co., has not been considered for grant of separate dumping margin. It is also noted that exports to India through Kolmar, Switzerland and direct exports to India comprise more than ***% of the exports of subject goods to India. The Applicant has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. Adjustments on account of various expenses for arriving at the ex-factory export price have been allowed as noted from the submissions made by the producer and exporter. The dumping margins has been worked out taking into account separate chain of exporters which are complete and in respect of exports made through exporters who have exported the subject goods to India and those who have made submitted the details relating to the export price to India. The month-wise export price to India has been determined for TPCC through both the channels of exports to India.

M/s. Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan ("FCFC") (Producer & Exporter)**Normal value**

23. Formosa Chemicals Fabrics Corporation ("FCFC") is a company limited by shares established in accordance with the Company Law of Taiwan, the Republic of China. It has been submitted that there has been no change in their structure in the last three years. M/s. Formosa Chemicals Fabrics Corporation ("FCFC"), Taiwan is a producer/ exporter of subject goods from Taiwan, who has done domestic sales as well as exports to India during POI. The subject goods which have been sold to India during POI by FCFC are sold through two channels one is direct FCFC to Indian customer and another is FCFC to India through M/s. Kolmar, Switzerland.
24. M/s. FCFC produces Phenol with Benzene and Propylene as the primary raw materials. Benzene is partly captively produced at FCFC's Aroma plant and partly imported, while Propylene is supplied by the oil refining plant of FPCC. FCFC uses imported Benzene. There are two channels of distribution in the domestic market. It has been claimed that in the domestic market, FCFC sells directly to end-users who purchases the product concerned for producing downstream products. FCFC also sells the product concerned to traders who locate, serve and maintain the customer base for their own businesses. In domestic market ***% subject goods have been sold to Non-affiliated and *** have been sold to affiliated parties. However, the unit prices for both affiliated as well as non-affiliated parties are broadly similar.

25. The response filed by the company was examined and it is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing. It is also noted that the SGA expenses have been claimed and apportioned on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted provisionally pending detailed verification to be conducted by the Authority during onsite verification. Adjustments thereof have been allowed as claimed by the producer and exporter. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

Export Price

26. It is noted that the subject goods which have been sold to India during POI by FCFC is sold through two channels i.e one is direct exports of M/s. FCFC to India and another is FCFC to India through M/s. Kolmar, Switzerland. The Applicant has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. Adjustments on account of various expenses for arriving at the ex-factory export price have been allowed as noted from the submissions made by the producer and exporter. The dumping margins has been worked out taking into account separate chain of exporters which are complete and in respect of exports made through exporters who have exported the subject goods to India and those who have made submitted the details relating to the export price to India. The month-wise export price to India has been determined for TPCC through both the channels of exports to India. The weighted average dumping Margin has been calculated by taking into account the quantity which has been exported to India by FCFC directly to India and also through M/s. Kolmar, Switzerland.

M/s. Kolmar Group AG Switzerland (Kolmar)

27. It is noted that M/s Kolmar Group AG., Switzerland, is an Exporter/Trader, who has exported subject goods to India during POI, which have been sourced from FCFC & TPCC who are cooperating producers and exporters in this investigations. Kolmar did not make the domestic sales of the product concerned and was only engaged in the exports of the product concerned. M/s. Kolmar sourced subject goods from two producers/exporters of Taiwan, FCFC & TPCC. Out of total exports done by Kolmar, it has sourced ***% subject goods from FCFC and ***% from TPCC. Both the producers/exporters i.e FCFC & TPCC have separately filed their questionnaire responses to the Designated Authority, so Dumping Margin & Injury Margin have been calculated separately for the subject goods which have been exported to India and which were sourced from FCFC & TPCC. It is noted that subject goods sold to India by Kolmar are on CIF basis. Adjustments on account of expenses i.e. ocean freight and insurance have been allowed provisionally as claimed in the response to the exporters questionnaire.

Determination of Normal value and Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers from Chinese Taipei

28. For working out dumping margin in respect of subject goods for the residual producers and exporters, the normal value determined on facts available basis has been compared with the net export price determined on the lower representative price level of the cooperating producers and exporters. The dumping margin and dumping margin % so arrived for the residual producers and exporters have been mentioned in the dumping margin table.

USA

Normal value

29. It is noted that none of the producers and exporters from USA has responded to the Authority and none of them has submitted any response to the exporter's questionnaire. The petitioner had provided details of normal value in USA on the basis of price of subject goods as published in ICIS-LOR. It is noted that ICIS-LOR is the world's largest petrochemical market information provider and provides pricing data, high-value news, analysis and independent consulting, with over 30 years' experience of providing pricing information. In the absence of any response from the subject exporters, the Authority has provisionally determined normal value on the basis of price of subject goods as published in ICIS-LOR for all producers/exporters in USA in accordance with the Rule 6(8) supra.

Export Price

30. It is noted that none of the exporters from USA have responded to the Authority. The Designated Authority has considered information from the DGCI&S published data and has determined export price considering all imports of the product under consideration into India from USA. Price adjustments have been made on the basis of claims made by petitioner domestic industry in view of non cooperation from the exporters from USA.

Dumping Margin

31. The dumping margin has been worked out after comparing net export price with the normal value which was provisionally determined for every month for the POI. The dumping margin for the chain of producer and exporter has been arriving at by determining weighted average dumping margin for that channel of the producer and exporter.

Determination of Dumping Margin

32. After the analysis of the data, the dumping margin is provisionally worked out as mentioned in the table below :—

Countries	Producer	Exporter	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Wt avg. Dumping Margin (USD/ MT)	Wt Avg. Dumping Margin (%)	Dumping margin range
Taiwan	Formosa Chemicals and Fibre Corporation, Chinese Taipei.	Formosa Chemicals and Fibre Corporation, Chinese Taipei.	***	***	***	***	0-10
	Formosa Chemicals and Fibre Corporation, Chinese Taipei.	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation, Chinese Taipei	***	***	***	***	0-10
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			
	All other producers and exporters from Chinese Taipei	All other producers and exporters from Chinese Taipei	***	***	***	***	10-20
USA	All producers and exporters from USA	All producers and exporters from USA	***	***	***	***	45-55

Injury**Views of Domestic Industry**

33. The domestic industry has submitted that:
- Imports have increased throughout the injury period. Volume of imports from the subject countries has increased substantially in absolute terms.
 - The landed price of imports is significantly below the cost of production of the domestic industry throughout the injury period except 2010-11 and 2011-12.

- iii. Whereas the demand for the product under consideration increased throughout the injury period, the sales of the Petitioner have declined after 2010-11.
- iv. Despite increase in demand of the subject goods, production of the Domestic Industry declined significantly. Although production increased in 2010-11, it declined sharply thereafter.
- v. In spite of no capacity addition by domestic industry and sufficient demand in the country, Capacity utilization and production of the product under consideration has decreased considerably over the injury period.
- vi. Domestic sales of the domestic industry have declined significantly despite increase in demand. Market share of the imports increased whereas that of domestic industry declined.
- vii. Domestic industry was able to earn profits upto 2011-2012, however, the imports have had so significantly suppressing effect on the prices of the domestic industry that the domestic industry has started suffering significant financial losses in the POI.
- viii. Whereas both cost of production and selling prices increased in the POI. The increase in cost of sales is far more than the increase in selling price.
- ix. The landed price of imports is significantly undercutting the domestic prices throughout the injury period.
- x. Performance of the domestic industry has deteriorated in terms production, sales, capacity utilization, market share, profits, return on investments and cash profits to a very significant extent.

Views of the interested parties comprising Users and importers

34. The other interested parties have submitted the following:

- i. It has been submitted that this investigation has been initiated in gross violation of Rules and misrepresentation of facts by HOCL. HOCL has sought protection from the Government of India by filing concocted information in its Petitions for imposition for Safeguards and ADD since the Government removed Quantitative Restrictions. The Government of India should examine in details performance of HOCL when there were quantitative restrictions and imports of Phenol were banned.
- ii. It has been submitted that there are Insufficient capacities and the imports are inevitable. More than 70% of the demand of the product is necessary to be met by imports. HOCL can meet only 16% of demand and SI group is operating at more than 100% capacity, is a captive consumer and also importing Phenol.
- iii. It has been represented that there is non-participation by SI Group which clearly shows and establishes that it is not adversely affected by imports. Reason for HOCL's losses cannot be due to imports but other factors.
- iv. It is further claimed that all exports cannot be said to have been dumped. This claim is exaggerated and misleading.
- v. It has been submitted that the Prices of Phenol are determined globally (demand – supply basis). Further, any restriction (Anti Dumping Duty) by Indian Government will be in violation of WTO Agreement especially when petitioner company meets only 12% of the demand.
- vi. It has been submitted herein that HOCL has an old plant and inefficient production. HOCL has never updated and upgraded its age-old technologies and installed capacities and that is the main reason for its losses.
- vii. It is further submitted that there are inefficiencies of Public Sector Plant. HOCL is overstaffed. It has hired 300 persons in its Phenol Plant which produces around 100 Mt of Phenol daily if operating at Full capacity. Thus losses of HOCL are due to its own inefficiencies.
- viii. It has been represented that the Public Interest and users are made to suffer. Phenol is used in crucial downstream industries like Plywood, Particle Boards. Any move to impose ADD on Phenol will adversely affect these industries and consequently the employed persons. More than 2000 small and medium scale industries manufacture Plywood and Particle Board in India.
- ix. It has been represented herein that the methodology of allocation of expenses between Acetone and Phenol keeps on changing between one investigations. Phenol is a joint product with Acetone. In every investigation HOCL has adopted different methodology to allocate cost to Phenol and Acetone. This needs to be examined by the Investigators in detail.
- x. It is the submission of the Institute of Indian Foundrymen that IIF is a National Level Apex industry body representing the foundry industry in India. Phenol is used for Resin for Sand preparation for Foundry Industry. This industry generates employment for approx. 2 millions. The Domestic Industry produces approx. 65,000 M/T per annum of Phenol whereas the requirement of total DI is

approx. 2,50,000 MT for various industry segments. Any move to impose Anti-Dumping Duty on Phenol will further impact the cost competitiveness of the manufacturing industry specially the MSME's and will adversely impact exports of castings and will not be in national interest.

Examination by the Authority

35. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
36. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
37. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:
- “The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”*
38. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

Cumulative Assessment

39. Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -
- a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country/territory is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
 - b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
40. In the present case,
- a) The margin of dumping from each of the subject countries is more than the limits prescribed above;
 - b) The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed;

c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. It is noted that there is no submission made by any interested party disputing cumulative assessment in the present case.

41. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of imports.

42. The Authority has analyzed injury to the domestic industry after analyzing the information submitted by the interested parties.

Assessment of Demand

43. The Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources. The demand so assessed is shown in the following table :

S.No.	Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
	Demand in India					
1.	Sales of Domestic Industry	MT	73,430	80,020	67,361	64,712
2.	Subject Countries	MT	47,269	61,178	87,423	1,24,268
3.	Taiwan	MT	14,080	14,607	37,166	33,890
4.	USA	MT	33,190	46,571	50,258	90,378
5.	Countries Attracting ADD	MT	38,932	23,270	33,445	22,489
6.	Other Countries-Imports	MT	11,880	34,088	20,677	14,087
7.	Demand/Consumption	MT	1,71,511	1,98,556	2,08,906	2,25,556

44. The Authority notes that the demand of the subject goods has shown a positive trend throughout the injury period and has significantly increased during the injury period.

Volume Effect of Dumped Imports

a) Import Volumes and market share

45. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCIS. The volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analyzed as under :

A	Imports - (Volume)	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
	Subject Countries	MT	47,269	61,178	87,423	1,24,268
	Taiwan	MT	14,080	14,607	37,166	33,890
	USA	MT	33,190	46,571	50,258	90,378
	Countries Attracting ADD	MT	38,932	23,270	33,445	22,489
	Other Countries	MT	11,880	34,088	20,677	14,087
	Total Imports	MT	98,081	1,18,536	1,41,545	1,60,844
B	Market share in imports					
	Subject Countries	%	48.2	51.6	61.8	77.3
	Taiwan	%	14.4	12.3	26.3	21.1
	USA	%	33.8	39.3	35.5	56.2
	Countries Attracting ADD	%	39.7	19.6	23.6	14.0
	Other Countries	%	12.1	28.8	14.6	8.8
	Total Imports	%	100.0	100.0	100.0	100.0
	Imports in relation to consumption in India	%	57.19%	59.70%	67.76%	71.31%
	Imports in relation to production in India	%	134.64%	146.71%	209.70%	254.40%

C	Market Share in Demand					
	Sales of Domestic Industry	%	42.8	40.3	32.2	28.7
	Subject Countries	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	Taiwan	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	USA	%	19.4	23.5	24.1	40.1
	Countries Attracting ADD	%	22.7	11.7	16.0	10.0
	Other Countries-Imports	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	Total Share	%	100.0	100.0	100.0	100.0

46. It is noted that the volume of subject goods from subject countries have increased significantly in absolute terms during injury period. Imports of the subject goods from countries already attracting ADD have declined during the same period. Further, the share of the subject countries in total imports into India has increased whereas the share of other countries has declined. It is further noted that subject imports in relation to consumption and production in India have also increased over the injury period.

Price Effect of the Dumped Imports

Price Undercutting

47. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry

USA

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price undertaking %	%	***	***	***	***
	% range	20-30	10-20	10-20	5-15

Taiwan

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	% range	0-10	0-10	0-10	5-15

Subject Countries

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	% range	10-20	10-20	5-15	5-15

48. It is noted that landed price of the subject goods from the subject countries is substantially below the selling price of domestic industry showing significant price undercutting being caused by the dumped imports from subject countries.

Price underselling

49. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries, which is as follows:

Particulars	UOM	USA	Taiwan	Subject countries
Non Injurious Price	***	***	***	***
Landed Price	***	***	***	***
Price Underselling	***	***	***	***
	***	***	***	***
Range	%	0-10	0-10	0-10

50. It is noted that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period on account of imports of the subject goods from the subject countries.

Price Suppression and Depression

51. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period.

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	121	133	152
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	150	140	141
Landed Price –subject countries	Rs./MT	52,621	82,317	80,476	83,789
Trend	Index	100	156	153	159

52. The Authority notes that the selling price of the domestic industry was above the cost of production of the domestic industry up to 2011-12. Further, during the POI, there was significant increase in the input cost of the subject goods leading to significant increase in the cost of production of the domestic industry. However, landed value of imports of subject goods was below the cost of production during the same period, as a result the domestic industry could not increase its selling prices commensurate with the increase in the cost of production. Thus, the domestic industry has suffered significant price suppression during POI. However, during the injury period, there was no price depression.

Economic parameters of the domestic industry

53. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury.

54. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

(a) Capacity, Production, Capacity Utilization and sales

55. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

S.No.	Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
1	Capacity	MT	74,200	74,200	74,200	74,200
	Trend	Index	100	100	100	100
2	Production	MT	72,850	80,796	67,500	63,224
	Trend	Index	100	111	93	87
3	Capacity utilization	%	98.18%	108.89%	90.97%	85.21%
4	Domestic Sales	MT	73,430	80,020	67,361	64,712
	Trend	Index	100	109	92	88

56. It is noted that the production, capacity utilization and sales of domestic industry has increased up to 2010-11 and has thereafter declined significantly. It is further noted that despite sufficient demand in the market, the domestic industry is not able to utilize its capacity to the fullest.

(b) Market share

57. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market share of the domestic industry have been examined as below:

S.No.	Market Share in Demand	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
1	Sales of Domestic Industry	%	42.8	40.3	32.2	28.7
2	Subject Countries	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	Taiwan	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	USA	%	19.4	23.5	24.1	40.1
3	Countries Attracting ADD	%	22.7	11.7	16.0	10.0
4	Other Countries-Imports	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	Total Share	%	100.0	100.0	100.0	100.0

58. It is noted that market share of domestic industry has decreased throughout the injury period whereas market share of the subject countries have increased significantly.

(c) Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit

59. The Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	121	133	152
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	150	140	141
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	(***)
Trend	Index	100	571	233	-16
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	(***)
Trend	Index	100	622	214	-14
Profit before Interest tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	546	199	8
ROCE	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	473	204	10
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	(***)
Trend	Index	100	574	203	-5

60. It is noted from the above that profits of the domestic industry has declined significantly in the POI. Even though there was an increase in profits in 2010-11, it declined significantly thereafter and it is noted that the domestic industry is suffering financial losses in the POI. The profit before interest, cash profit and return on investment in the POI also follows same trend as that of profits.

(d) Inventories

61. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:-

Inventories	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Opening Stock	MT	2,408	1,764	2,520	2,617
Closing stock	MT	1,764	2,520	2,520	1,126
Average Stock	MT	2,086	2,142	2,520	1,871
Average Stock	Index	100	103	121	90

62. It is noted that the average stock has increased till 2011-12 and thereafter has declined in the POI.

(e) Employment and wages:

63. The status of employment levels and wages of the domestic industry is as follows:-

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
No. of Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Index	100	112	100	102
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	300	252	250

64. It is seen that both employment has marginally increased during the injury period while the wages show significant increase over the injury period.

(f) Productivity

65. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	98	93	85
Productivity per Day	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	111	93	87

66. It is noted that the productivity in terms of production per employee as well as production per day has decreased over the injury period in consonance with the decline in production.

(g) Magnitude of Dumping

67. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject countries are above de minimis and significant.

Deleted:

(h) Ability to raise capital

68. With regard to ability to raise investments, it is noted that the domestic industry has not made fresh investments in the product under consideration. Further, even though the demand is far in excess of the capacity with the domestic industry, the domestic industry is not able to utilize its capacity and is suffering losses.

(i) Factors Affecting Domestic Prices

69. Consideration of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and cost of production of the domestic industry, causing significant price undercutting and underselling in the Indian market. It is further noted that imports of subject goods from other countries are at much higher prices or are attracting anti-dumping duty. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and this could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject countries and cost of raw materials.

(j) Growth

70. There has been significant growth in the import volumes of the subject goods from the subject countries. On examination of various economic parameters of the domestic industry, it is noted that both the volume parameters and price parameters showed improvement up to 2010-11 and has declined thereafter in the POI. The domestic industry incurred financial losses in the POI. Thus, overall growth of the domestic industry was adverse during the POI.

Conclusion on material injury

71. After examining the volume and price effects of imports of subject goods from subject countries and its impact on the domestic industry, it is noted that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased significantly in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. After examining other volume parameters like sales, production and capacity utilization of the domestic industry, it is provisionally noted that domestic industry has suffered significant volume injury on account of dumped imports of subject goods from subject countries. Further, with regard to price effect on account of imports of subject goods from subject countries, it is noted that imports of the subject goods from subject countries are significantly undercutting the prices of domestic industry. Further, the domestic industry has suffered price suppression on account of imports of product under consideration from subject countries as sales price of subject goods have declined while cost of production of subject goods have increased during the injury period. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is concluded that the performance of the domestic industry has deteriorated in respect of production, capacity utilization, domestic sales, market share, profit, cash flow, and return on investment, productivity and inventories. The decline in profits, return on investment and cash flows is quite significant and material. Thus, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

J. Other Known Factors & Causal Link

72. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) Imports from third countries and other Known Factors

73. Imports from third countries were negligible in volumes or are already subject to anti-dumping duties and could not have caused injury to the domestic industry. The Authority notes that most of imports of subject goods from countries other than the subject countries and countries attracting anti-dumping duty were at a price higher than that from the subject countries.

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption

74. There has been a constant rise in demand of the product concerned throughout the injury period. Possible decline in demand is not as a possible reason of injury to the Domestic Industry.

(c) Developments in Technology

75. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

76. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

(e) Export performance of the domestic industry

77. It is noted that domestic industry is completely into domestic market and not exports. So this factor cannot be said to have caused injury to the Domestic Injury.

(f) Productivity of the Domestic Industry

78. The Authority notes that the productivity of the domestic industry in terms of production per employee and per day has declined over the period as a result of decline in production. The decline in production is due to increase in the imports of the subject goods in the Country.

Parameters establishing causal link

79. It is thus noted that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- The volume of dumped imports from the subject countries increased sharply resulting in increase in the share of dumped imports in demand of the product in India. Consequently, the domestic industry lost its market share.
- The imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry was not able to increase its prices in line with the increase in the costs. Imports were thus resulting in price suppression being faced by the domestic industry in the POI.
- Imports of the product under consideration were undercutting the domestic prices, as a result of which the volume of imports increased. Resultantly, the domestic industry faced decline in production, capacity utilization and sales volumes in the POI.
- Performance of the domestic industry with regard to profits, cash flow and return on investments deteriorated.
- The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

K. Magnitude of Injury Margin

The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

Countries	Producer	Exporter	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Wt avg Injury Margin (USD/MT)	Wt avg Injury Margin (%)	Injury Margin % range
Chinese Taipei	Formosa Chemicals and Fibre Corporation.	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation, Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation, Chinese Taipei	***	***	***	***	
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation, Chinese Taipei	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			0-10
	All other producers and exporters from Chinese Taipei	All other producers and exporters from Chinese Taipei	***	***	***	***	15-25
USA	All producers and exporters from USA	All producers and exporters from USA	***	***	***	***	0-10

Indian industry's interest & other issues:

80. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

81. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the antidumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

Recommendations

82. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below their normal values, thus resulting in dumping of the product.
- b) The domestic industry has suffered material injury.
- c) The material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries.

83. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and consequent injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

84. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty as per amount specified in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of the notification to be issued by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries.

Duty Table

S. No	Sub heading or Tariff Item	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Formosa Chemicals and Fibre Corporation	Formosa Chemicals and Fibre Corporation.	79.63	US\$	MT
2	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Switzerland	Formosa Chemicals and Fibre Corporation	Kolmar Group AG	79.63	US\$	MT
3	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation	Taiwan Prosperity Chemical Corporation	46.07	US\$	MT
4	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Switzerland	Taiwan Prosperity Chemical Corporation.	Kolmar Group AG	46.07	US\$	MT
5	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any combination other than S. No. 1 and to 4		193.9	US\$	MT

6	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Any country other than Chinese Taipei and countries attracting anti dumping duties	Any	Any	193.9	US\$	MT
7	29071110	Phenol	Any country other than Chinese Taipei and countries attracting anti dumping duties	Chinese Taipei	Any	Any	193.9	US\$	MT
8	29071110	Phenol	USA	USA	Any	Any	146.09	US\$	MT
9	29071110	Phenol	USA	Any country other than USA and countries attracting anti dumping duties	Any	Any	146.09	US\$	MT
10	29071110	Phenol	Any country other than USA and countries attracting anti dumping duties	USA	Any	Any	146.09	US\$	MT

Further Procedure

85. The following procedure will be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same will be considered in the final findings;
- Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned may make known their views, within forty days from the date of the publication of the these Preliminary findings in the official gazette. The Authority will hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- The Authority will conduct further verification to the extent deemed necessary;
- The Authority will disclose essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing final findings.

J. S. DEEPAK, Designated Authority